QP CODE : 25304

(३ घंटे) **अंक : १००**

सूचना : (१) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** आहेत.
(२) उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न क्रमांक / उप-प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखिए।

प्र.१ निम्नलिखित अवतरणो की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए । २०

(क) ''स्पन्दन में चिर निस्पन्द बसा
क्रन्दन में आहत विश्व हँसा
नयनो में दीपक से जलते,
पलकों में निर्झरिणी मचली!''

अथवा

''चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊँ,
चाह नहीं प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊ,
चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊँ,
चाह नहीं देवों के सिर पर चढ़ूँ भाग्य पर इठलाऊँ। ''

(ख) ''अब घोड़े का नाम न लो। मैं तुमसे इस विषय में कुछ न कहूँगा। मेरी प्रार्थना केवल यह है कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना।''

अथवा

''हुजूर, वह हाथ की पकड़ में नहीं आता। वह स्थूल नहीं, सूक्ष्म है, अगोचर है। पर वह सर्वत्र व्याप्त है। उसे देखा नहीं जा सकता, अनुभव किया जा सकता है।''

प्र.२ निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए। ३०

(ग) 'भिक्षुक' कविता में अभिव्यक्त भिक्षुक की दयनीयता को अपने शब्दो में चित्रित कीजिए।

अथवा

'दीया जलाना कब मना है' कविता के आशावाद को समझाइए।

(घ) 'बड़े घर की बेटी' कहानी के आधार पर आनंदी का चरित्र कीजिए।

अथवा

'अपना गाँव' कहानी में दलितों का शोषण किस प्रकार से हुआ है, स्पष्ट कीजिए।

प्र.३ निम्नलिखित विषयोंपर टिप्पणी लिखिए। १०

(य) 'बीती विभावरी, जागरी' कविता का उद्देश्य

अथवा

'झाँसी की रानी' कविता की मूल संवेदना

[TURN OVER

(छ) मधूलिका की राष्ट्रभक्ति

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी की माँ

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। १०

(I) मन में निराशा का भाव किसे लाना नहीं चाहिए?
(II) 'सिन्दूर तिलकित भाल' कविता के कवि कौन हैं?
(III) 'नीरज' जी के अनुसार दिया जलाते समय किस बात का ध्यान रखना चाहिए?
(IV) नागार्जुन को अपना कौनसा ग्राम याद आता है?
(V) सन सत्तावन में किसकी तलवार चमक उठी थी?
(VI) 'पाजेब' कहानी के नौकर का नाम क्या है?
(VII) 'सदाचार का ताबीज' के लेखक कौन हैं?
(VIII) शकलदीप बाबू किस कहानी का पात्र है?
(IX) हरिया के बाद घर का मुखिया कौन था?
(X) मधूलिका किसकी कन्या थी?

प्र.५ (ज) बड़े भाई के विवाह के उपलक्ष्य में निमंत्रण पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए। १०

अथवा

परिक्षा समय पर न होने के संदर्भ में संपादक के नाम शिकायत पत्र लिखिए।

प्र.६ (झ) सूचनानुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। १०

(अ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। **(०२)**
(I) अमर के पिता दिन थे।
(II) यह साहीत्यिक विषय है।

(आ) निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञा शब्द पहचान कर लिखिए। **(०२)**
(I) मानवता धर्म का पालन करो।
(II) सेना विजयी हुई।

(इ) निम्नलिखित वाक्यों में से सर्वनाम शब्द पहचान कर लिखिए। **(०२)**
(I) हम एक साथ रहेंगे।
(II) ये किताबें मेरी हैं।

(ई) निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द पहचान कर लिखिए। **(०२)**
(I) मालिक दयालु था।
(II) हमने बड़ा कमरा देखा।

[TURN OVER

(उ) निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया शब्द पहचान कर लिखिए। **(०२)**

(I) दिनभर पत्ते झर रहे थे।

(II) सुबह से वह हँस रहा था।

(झ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **१०**

एक बार भगवान बुद्‌ध का एक प्रचारक घूम रहा था। उसे एक भिखारी मिला। वह प्रचारक उसे धर्म का उपदेश देने लगा। उस भिखारी ने उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। उसमें उसका मन ही नहीं लगता था। प्रचारक नाराज हुआ। बुद्‌ध के पास जाकर बोला,'वहाँ एक भिखारी बैठा है, मैं उसे इतने अच्छे-अच्छे सिखावन दे रहा था, तो भी वह सुनता ही नहीं।' 'बुद्‌ध ने कहा, 'उसे मेरे पास लाओ।' यह प्रचारक उसे बुद्‌ध के पास ले गया। भगवान बुद्‌ध ने उसकी दशा देखी उन्होने उसे पेट भरकर खिलाया और कहा,'अब जाओ।' प्रचारक ने कहा, 'आपने उसे खिला तो दिया, लेकिन उपदेश कुछ भी नही दिया।' भगवान बुद्‌ध ने कहा, ''आज उसके लिए अन्न ही उपदेश था। आज उसे अन्न की सबसे ज्यादा जरुरत थी। वह उसे पहले देना चाहिए। अगर वह जिएगा तो कल सुनेगा।''

(१) प्रचारक नाराज क्यों हुआ?

(२) भिखारी प्रचारक का उपदेश क्यों नहीं सुनता था?

(३) बुद्‌ध ने भिखारी को देखकर क्या जान लिया?

(४) बुद्‌ध ने भिखारी को कौनसा उपदेश दिया?

(५) भिखारी को किसकी ज्यादा जरूरत थी?

----

munotes.in